AIB ALL INDIA BRIGADE www.aibnews.co.in

यलगार हिन्दी पत्रकार संघ
Reg. No. 67 G.B.B.S.D. 2009 MAH. MUMBAI
PRESIDENT RAFIQUE.M.SHAIKH

ऑल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र

Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

RNI No.MAHHIN/2006/16907

यलगार
R.N.I No. MAHHIN/2006/18559 साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

इंडियन बैकवर्ड कॉफ्रेंस
रफीक एम. शेख
मीडिया प्रभारी
WWW.INDIANBACKWARDCONFERENCE.COM
NGO RAFIQUE M SHAIKH NATIONAL SECRETARY NGO

संपादक : रफीक एम. शेख
कार्यकारी संपादक : अहमद शेख

● वर्ष : १४ ● अंक : ५१ ● मुंबई, शुक्रवार, २३ अक्टूबर से २९ अक्टूबर २०२० ● पृष्ठ : ८ ● मूल्य : २/- रुपये

फेसबुक से फ्रॉड

ऑल इंडिया ब्रिगेड के संपादक रफीक शेख के रिश्तेदारों से ठगी

संवाददाता

मुंबई, टेक्नॉलॉजी के युग में जहां लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं वहीं ठगी का खतरा भी मंडराने लगा है। ताजा मामला ऑल इंडिया ब्रिगेड के संपादक रफीक शेख के रिश्तेदारों से ठगी का है। १९ अक्टूबर को रफिक शेख के नाम पर फर्जी व्यक्ति ने उनके रिश्तेदारों से दोस्त के बच्चे के इलाज के लिए पैसे की मांग की और अगले दिन लौटाने का दावा भी किया, जिससे उनके रिश्तेदार भावनात्मक रूप से उनकी मदद करने के चक्कर में ठगी का शिकार हो गये।

बच्चे के बीमारी का बहाना बनाकर शातिर करते हैं ठगी

Rafique .M. Shaikh
Room no. 25/26 1st floor,
Roshan Nagar, Cama Road,
Gaondevi Dongri, Andher (W),
Mumbai 400 058.
Mobile:-9833779925
Email ID:-aib7861@gmail.com
Local Police Station:-DN Nagar
Date:- 20/10/2020

To,
Sr Inspector Of Police,
Cyber Police Station, BKC, Mumbai.

Subject:- "My Facebook Account is Hacked And the Hacker Is demanding & Taken money from my friends and relatives via bank transfer in NSDL BANK (Lower Parel)."

Respected Sir,
I Request you to close my Facebook account as a hacker have hacked my account and he is demanding & taken money from my relative and friends. I need you to take quick action.
He have demanded & taken Rs.22,000 from my nephew on my name. And my nephew have transferred money to his account. The account no of the Fraudulent is: 501000975652 of NSDL BANK Online his name is showing as Ladu Lal. My nephew lives in Delhi and he didn't knew about my account getting hacked. Kindly Raise a complaint on the bank account holder and delete my Facebook account.

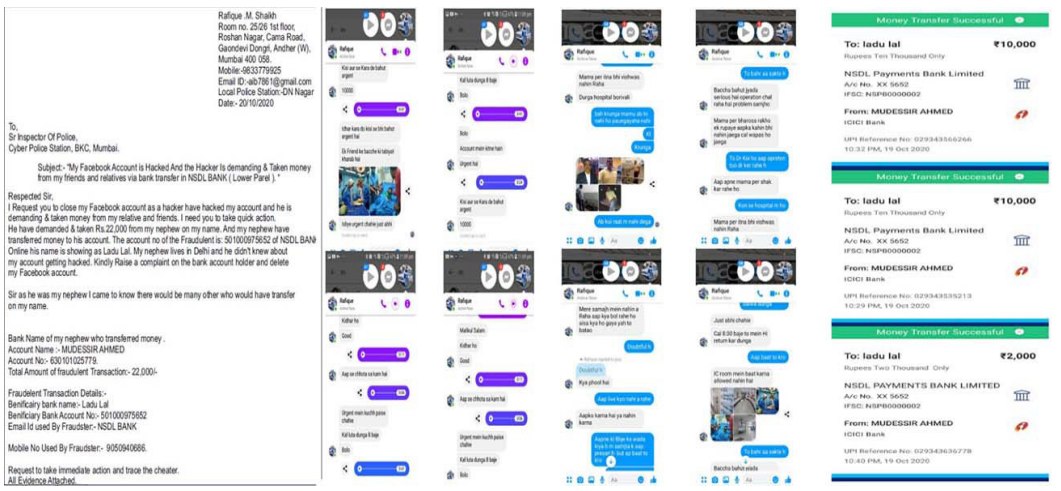

Sir as he was my nephew I came to know there would be many other who would have transfer on my name.

Bank Name of my nephew who transferred money .
Account Name :- MUDESSIR AHMED
Account No:- 630101025779.
Total Amount of fraudulent Transaction:- 22,000/-

Fraudelent Transaction Details:-
Benificairy bank name:- Ladu Lal
Benificiary Bank Account No:- 501000975652
Email Id used By Fraudster:- NSDL BANK

Mobile No Used By Fraudster:- 9050940686.

Request to take immediate action and trace the cheater.
All Evidence Attached.

इस मामले की शिकायत रफिक शेख ने तुरंत सायबर क्राईम में की है, जिसके बाद उक्त अकाउंट नंबर को ब्लाक कर आरोपियों की तलाश जारी की गई है। सायबर क्राईम विभाग मामले की छानबीन में जुट गया है। वहीं लोगों से ऐसे फ्राड मेसेज या फोन से बचने की सलाह दी गई है।

पता चला है कि ये ठग आईडी का क्लोन बनाकर उनके जानने वालों से बीमारी का बहाना बनाकर या फिर किसी आवश्यक कार्य का बहाना करके रूपये की डिमांड कर रहे हैं। सोशल मीडिया के ठग पहले किसी अज्ञात व्यक्ति की प्रोफाइल खंगालते हैं। जिसमें उनकी पोस्ट को गौर से देखते हैं। किसी प्रोफेशन या फिर पैसे वाले लोगों का चयन करते हैं। फिर उनकी आईडी से उनके फोटो को डाउनलोड करते हैं। इसके बाद हूब-हू फेसबुक आईडी तैयार कर उनके जानने वालों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज देते हैं। और फिर किसी बीमारी या अति आवश्यक कार्य का बहाना कर अगले दिन रूपये लौटाने का भरोसा दिलाकर ठगी करते हैं।

मानखुर्द शिवाजीनगर में नशे का कारोबार जब तक बंद नहीं होगा तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा - अबू आसिम आजमी

मुंबई / नशे के कारोबार और बिजली माफियाओं के खिलाफ करवाई करने का आदेश पुलिस आयुक्त ने दिया

मुंबई : मानखुर्द शिवाजीनगर में धड़ले से चल रहे नशे के कारोबार, चल रहे अवैध बिजली चोरी और शिवाजीनगर में बढ़ते गुनाहों के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाया जाए ईसलिए आज समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक अबू आसिम आजमी ने कमिश्नर परम बीर सिंह से मुलाकात की और नशे के कारोबारियों और ड्रग डीलरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। ड्रग डीलरों के खिलाफ कार्रवाई की कमी के कारण न केवल मुंबई में, बल्कि उपनगरों में भी नशीली दवाओं का व्यापार फल-फूल रहा है, जो बहुत चिंता का विषय है। अबू आसिम आजमी ने अवैध तरीके से बिजली चोरी करनेवाले बिजली माफिया के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए यह मांग की । पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने डीसीपी को तुरंत निर्देश देते हुए नशे के कारोबार पर रोकथाम करने के लिए कहा` तथा नशे के कारोबार और अन्य गुनाहों को रोकने के लिए नई रणनीति पर काम किया जाएगा यह आश्वासन अबू आजमी को दिया । इस विषय पर कारवाई करने के लिए के

एनकाउंटर के बाद एक शातिर बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली : पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार इलाके में बुधवार रात को एनकाउंटर के दौरान एक बदमाश घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, यह एनकाउंटर पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार इलाके में हुआ। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बुधवार रात को एक बदमाश को घेर लिया, जो कई एटीएम लूट में शामिल रह चुका है। खुद को पुलिस से घिरता देखकर बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। वहीं, दिल्ली पुलिस की जवाबी फायरिंग में शातिर बदमाश गोली लगने से घायल हो गया।

ऑल इंडिया ब्रिगेड • हिंदी समाचार पत्र
Postal Regd. : MCN/265-2020-2022

संपादकीय...

कोरोना और रक्त

पहले अध्ययन में शोधकताओं ने डेनमार्क हेल्थ रजिस्ट्री से प्राप्त 4,73,000 लोगों की कोविड जांच संबंधी आंकड़ों की तुलना आम आबादी के 22 लाख लोगों से की है। कोविड पॉजिटिव में ओ ग्रुप वाले लोग सबसे कम पाए गए हैं, जबकि ए, बी और एबी समूह के लोगों की संख्या संक्रमितों में ज्यादा है। ए, बी और एबी समूह के लोगों के संक्रमित होने की आशंका में परस्पर ज्यादा अंतर नहीं है। विभिन्न जातीय समूहों में ब्लड ग्रुप संबंधी आंकडे.अलग-अलग होते हैं, इसलिए शोधकताओं ने इस बात का ध्यान रखते हुए ही नतीजे निकाले हैं, ताकि व्यापक आबादी में ब्लड ग्रुप आधारित खतरे के अंतर को समझा जा सके। हालांकि कनाडा में हुए दूसरे शोध के नतीजे थोड़े अलग हैं। इस शोध में भी ओ ग्रुप के लोगों को ज्यादा सुरक्षित पाया गया है, पर साथ ही, बी ग्रुप के लोगों को भी सुरक्षित श्रेणी में रखा गया है। दोनों ही शोध के मुताबिक, ज्यादा खतरा ए और एबी पर दिख रहा है। वेंकूवर में कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हुए 95 रोगियों के आंकड़ों की पड़ताल के बाद पाया गया कि ए और एबी ग्रुप के लोगों को आईसीयू और वेंटिलेटर की ज्यादा जरूरत पड़ रही है। साथ ही, इनके फेफड़ों व किडनी पर भी ज्यादा असर हो रहा है।

इन दोनों शोध में जो अंतर दिख रहा है, उस पर और काम करने की जरूरत है। खासकर बी ग्रुप की विशेष रूप से जांच करनी चाहिए। डेनमार्क और कनाडा में हुए शोधों में जो अंतर है, संभव है, किसी तीसरे या चौथे देश में अगर शोध हो, तो नतीजे कुछ और आएं। अगर वाकई ब्लड ग्रुप से कोरोना का कोई खास रिश्ता है, तो उसकी निर्विवाद पुष्टि होनी चाहिए। किसी पुख्ता या एकरूप नतीजे के अभाव में हमें जल्दी ही किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। ओ या बी रक्त समूह के लोगों को आश्वस्त नहीं हो जाना चाहिए। शोध ने केवल इतना कहा है कि इन दोनों रक्त समूह के लोगों पर खतरा अपेक्षाकृत कम है।

ऐसा कतई नहीं है कि बी या ओ ग्रुप के लोगों की कोरोना से मौत नहीं हो रही है। अभी जो नतीजे आए हैं, उन्हें शुरूआती ही कहना चाहिए, इसलिए ज्यादातर वैज्ञानिक अभी इस पर खामोश हैं और आगे शोध की जरूरत बता रहे हैं, तो कोई अचरज नहीं। कोरोना की शुरूआत से ही ब्लड ग्रुप आधारित शोध कर रहे वैज्ञानिकों का उत्साहवर्द्धन करना चाहिए। खासकर, भारत जैसे विविध और घनी आबादी वाले देश में ऐसे अध्ययन की ज्यादा जरूरत है। जिन लोगों की मौत अभी तक कोरोना की वजह से हो चुकी है, उनके विस्तृत आंकडे.लेकर शोध करना उपयोगी होगा, ताकि साफ तौर पर पता लगे कि क्या वाकई खून से कोरोना का कोई सीधा या टेढ़ा रिश्ता है।

अहमद शेख (कार्यकारी संपादक)

विसंगतियों का चुनाव

विधानसभा चुनाव राज्यों के सिर्फ राजनीतिक रुझान का पता नहीं देते, वे उनके सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने, नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और आर्थिक हालात से भी देश-दुनिया को रूबरू कराते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में अब सिर्फ सात दिन रह गए हैं। तमाम प्रत्याशी अपने जन-संपर्क अभियान में जुटे हुए हैं, लेकिन इन क्षेत्रों के उम्मीदवारों से जुड़ा एक तथ्य बिहार की विडंबना को गहराई से उजागर कर रहा है। इन 71 सीटों से अपनी किस्मत आजमा रहे प्रत्याशियों ने चुनाव आयोग में जो हलफनामा पेश किया है, उसके मुताबिक, 153 उम्मीदवार करोड़पति हैं और वे एक करोड़ से लेकर 53 करोड़ की मिल्कियत के मालिक हैं। दोनों मुख्य गठबंधनों ने बड़ी तादाद में करोड़पतियों में भरोसा जताया है। एनडीए के जहां करीब 60 प्रतिशत प्रत्याशी करोड़पति हैं, तो वहीं महागठबंधन के 58 फीसदी। ये आंकडे.सोचने को बाध्य करते हैं कि चंद महीने पहले जिस प्रदेश के लाखों लोग गरीबी के कारण पैदल ही अपने गांव के लिए सड़कों पर निकले पडे.थे, उसके नुमाइंदे कितने धनसंपन्न लोग होंगे! एक दौर था, जब देश चिंतित हो उठा था कि हमारी विधायी संस्थाएं बाहुबलियों और दागी लोगों का अखाड़ा बनने लगी हैं, मगर उसकी इस बेचैनी को शासन-व्यवस्था ने समझा और स्थिति पर लगाम लगाने के वैधानिक तरीके भी निकाले गए। इसकी वजह से कई सारे लोग चुनाव लड़ने से वंचित हुए, कई की सदस्यता रद्द हुई, मगर न्यायिक-प्रक्रिया की शिथिलता के कारण आज भी बड़ी संख्या में दागी चुनावी राजनीति में सक्रिय हैं। भारतीय लोकतंत्र के समक्ष अब नई चुनौती धनबल के रूप में खड़ी हो रही है। निस्संदेह, धनाढ्यों को भी राजनीति में आने, अवाम की सेवा करने का पूरा-पूरा अधिकार है। ऐसी नजीरें हैं कि आजादी के बाद कई लोगों ने अपनी दौलत लुटाकर जनसेवा के पथ को चुना था। मगर वह दौर काफी पीछे छूट चुका है। जो अनुपात अब दिख रहा है, वह एक किस्म के सामाजिक असंतुलन को अधिक प्रतिबिंबित करता है। बिहार की ही नजीर लें। जिस राज्य की सालाना प्रति-व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से एक तिहाई से भी कम हो, वहां की राजनीति में आर्थिक रूप से संपन्न तबके का दबदबा स्थापित हो जाए, तो यह स्थिति जनतंत्र से ज्यादा धनतंत्र की ताकत को दर्शाती है। हमारी सरकारी नीतियों में जन-संवेदनशीलता की कमी के पीछे बड़ी वजह यह भी है।

बिहार से आए इन आंकड़ों का एक गौरतलब पहलू यह भी है कि राज्य के जिन इलाकों में ये 71 सीटें हैं, वे एक लंबे समय तक सामंती उत्पीड़न, नक्सली हिंसा की जद में रहे हैं और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल वाम पार्टियां इन्हीं क्षेत्रों में ज्यादा मजबूती से लड़ भी रही हैं। मगर यह परिदृश्य गहन समाजशास्त्रीय अध्ययन की मांग करता है कि बिहार में आर्थिक विषमता की खाई घटी है या बढ़ी है? आखिर क्यों बिहार के ज्यादातर नेता तो करोड़पति हैं, मगर उनके मतदाता पेट भरने के लिए दूसरे राज्यों में भटकने को मजबूर? इसमें कोई दोराय नहीं कि बिहार महिलाओं के लोकतांत्रिक सशक्तीकरण में देश में अग्रणी भूमिका में है। पिछली विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार काफी अधिक तादाद में महिला उम्मीदवार मैदान में हैं। फिर इस सूबे की आर्थिक छवि क्यों नहीं बदल रही?

सामुदायिक संक्रमण

भारत में केंद्र सरकार ने अंततः कम्युनिटी ट्रांसमिशन को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया। सरकार का कहना है कि पूरे देश में नहीं, पर कुछ जिलों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति है। वैसे यह विवाद पुराना है। जून की शुरूआत में ही दिल्ली में यह बात सामने आ गई थी कि कोरोना के 50 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में स्रोत का पता नहीं चल रहा है। दिल्ली सरकार ने तब एक तरह से कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन की घोषणा कर दी थी, लेकिन कायदे से यह काम केंद्र सरकार का है और केंद्र ने तब इससे इनकार कर दिया था। अब इस मोड़ पर आंशिक रूप से सामुदायिक संक्रमण को स्वीकार करने का कोई खास मतलब नहीं रह गया है। कोरोना का डर, खतरा भले ही थोड़ा कम हुआ है, लेकिन उसका फैलाव इतना बढ़ गया है कि ज्यादातर मामलों में स्रोत का पता लगाना अब आसान नहीं। अब कोई अगर यह माने कि संक्रमण केवल बाहर से आने वालों को या बाहर से आने वालों से हो रहा है, तो शायद स्वीकार करने में दिक्कत आएगी।

दिल्ली सरकार के बाद केरल और हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार ने भी सामुदायिक संक्रमण को माना है, शायद इसी दबाव में केंद्र सरकार को भी आंशिक रूप से मानना पड़ा है। हालांकि इस सच को पूरी तरह से स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं। हां, यह सही है, देश के अनेक इलाकों में संक्रमण तेज नहीं है और लोग खतरा महसूस नहीं कर रहे हैं, न फिजिकल डिस्टेंसिंग की पालना हो रही है और न कोई मास्क पहन रहा है, लेकिन वैसे इलाकों में भी कभी न कभी कोरोना का कोई न कोई मामला पहुंचा ही है। किसी को भी यह लग सकता है, पूरे देश में कोरोना का कहर समान रूप से नहीं है, इसलिए संभव है, सामुदायिक संक्रमण की बात तकनीकी स्तर पर न मानी जाए। अव्वल तो अब सरकार या डॉक्टर भी कोरोना संक्रमण की श्रृंखला नहीं देख रहे। जिन इलाकों में ज्यादा मरीज हैं, वहां इस श्रृंखला की पड़ताल और उसे तोड़ने की कोशिश अब पहले जैसी नहीं हो रही है। एक समय था, जब कहीं एक भी मामला सामने आता था, तब उसकी श्रृंखला खोजी जाती थी। श्रृंखला खोजने की बाध्यता से हम शायद मई महीने में ही निकल आए। अनेक मंत्रियों और नेताओं की कोरोना की वजह से मौत हुई है या अनेक बीमार भी हुए हैं, पर शायद उनके मामले में भी कोरोना स्रोत या श्रृंखला की खोज नहीं हो रही है। ऐसे में, सामुदायिक संक्रमण की आंशिक घोषणा औपचारिकता मात्र है। वह न भी हो, तब भी इतिहास में यही लिखा जाएगा कि भारत में कोरोना महामारी फैली थी और अक्तूबर महीने तक ही 75 लाख से ज्यादा लोग कोविड-19 वायरस से संक्रमित हो गए थे।

इंडिया प्रिंट • हिंदी समाचार पत्र

मुंबई के हरे भरे फेफड़े का मामला

राजनीतिक दल अपना गठबंधन बदलते ही कैसे अपने सरकारी फैसले बदलते हैं इसका नवीनतम उदाहरण

मुंबईः राजनीतिक दल अपना गठबंधन बदलते ही कैसे अपने सरकारी फैसले बदलते हैं इसका नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा पिछले दिनों मुंबई की जानी मानी आरे कालोनी में बनाया जाने वाला मेट्रो कार के शेड को वहां बनाए जाने से रोकने का फैसला है। इस निर्माण को उस फड़नवीस सरकार ने स्वीकृति दी थी जिसमें वे खुद व उनकी शिवसेना शामिल थी। तब सरकार ने इस फैसले को लेकर वहां के स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किए थे व शिवसेना तब भाजपा की सरकार में शामिल थी।

बहुमंजिला इमारतों के शहर मुंबई में आरे कालोनी को मुंबई के फेफड़े कहा जाता है। जिस शहर में इमारतों के जंगल हो वहां 1200 एकड़ का हरा भरा इलाका होने की कल्पना तक करना बहुत मुश्किल है। यहां तरह तरह के जंगली जानवर व 37 विभिन्न आदिवासी समूह भी रहते हैं। यहां विवाद तब शुरू हुआ जब शहर के नगर निगम के मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन को वहां अपना शैड बनाने के लिए संरक्षित वन का इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी।

इजाजत मिलते ही सरकार ने वहां के 2700 पेड़ काट डाले। इस पर शहर के एक एनजीओ ने मुंबई हाईकोर्ट में मुकदमा दायर करके कहा कि यह पूरा इलाका ही संरक्षित वन है जो कि भारतीय वन अधिनियम 1927 के तहत सुरक्षित घोषित किया गया है जबकि मेट्रो रेल कारपोरेशन व निगम की दलील थी कि चूंकि इसे हाईकोर्ट की एक अन्य खंडपीठ ने पिछले साल इस मामले में फैसला दिया था व उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी अतः इसे न्यायालय द्वारा उस मामले की पुनः सुनवाई नहीं की जा सकती है।

वे लोग चाहते थे कि पेड़ों की कटाई तुरंत रोकी जाए। इस पर मुंबई हाईकोर्ट ने 4 अक्टूॅबर को पेड़ों की कटाई रोकने के लिए दायर सभी याचिकाओं को रद्द कर दिया। यह रोक हटते ही चंद घंटों के अंदर रातोंरात हजारों पेड़ काट डाले गए। इसके विरोध में वहां जबरदस्त विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया व पुलिस को हरकत में आना पड़ा। प्रदर्शन रोकने के लिए वहां निषेधाज्ञा लगानी पड़ी व लाठी चार्ज करने के बाद 29 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिन्हें बाद में जमानत दे दी गई।

कुछ कानून के छात्रों ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई से संपर्क किया था। उनसे इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए पत्र लिखा। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से कटाई तुरंत रोकने व यथास्थिति बहाल रखने के आदेश देते हुए अगली सुनवाई 21 अक्तूबर को करने का निर्देश जारी किया। मुंबई नगर निगम की ओर से पेश हो रहे सालीसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपना जवाब हासिल करने के लिए थोड़ा समय मांगा जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने वहां काटे गए वृक्षों की मोटाई व उंचाई मांगने के साथ साथ यह भी पूछा कि वहां पिछले दो साल में कितने पेड़ लगाए गए थे। 15 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश को बहाल रखते हुए कहा कि वह दिसंबर में इस मामले की सुनवाई करेगा वहीं कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने वहां मेट्रो शैड बनाए जाने के फैसले को ही वापस ले लिया। यहां यह याद दिलाना जरुरी हो जाता है कि आरे कालोनी पर्यावरण के लिए संवेदनशील संजय गांधी नेशनल पार्क का हिस्सा है। मुंबई में जो गिना चुना हरियाली वाला इलाका बाकी बचा हुआ है उसमें इसका हिस्सा बहुत अहम है। इससे अटे हुए गोरेगांव, पूर्व के इलाकों में मुंबई की जानी मानी आरे मिल्क कालोनी है जहां से पूरी मुंबई को दूध की सप्लाई की जाती है।

रेल मंत्री ने मुंबई की लोकल ट्रेनों में महिलाओं को यात्रा करने की दी अनुमति

मुंबई : रेल मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को घोषणा की कि मुंबई और उपनगर की लोकल ट्रेनों में महिलाएं बुधवार से यात्रा कर सकेंगी।फिलहाल इन लोकल ट्रेनों में अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे कर्मी और महाराष्ट्र सरकार द्वारा श्रेणीबद्ध की गईं जरूरी सेवा से जुड़े लोग यात्रा कर पा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने 16 अक्टूबर को रेलवे से आग्रह किया था कि गैर व्यस्त समय (सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे से दिन की सेवा खत्म होने तक) में महिला यात्रियों को स्थानीय ट्रेन सेवा का इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाए। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव संजय कुमार ने मंगलवार सुबह रेल अधिकारियों से कहा था राज्य के अनुरोध पर जल्द से जल्द विचार किया जाए।

मुंबई के कोविड-19 केंद्रों में स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों ने किया गरबा डांस, वायरल हुआ वीडियो

मुंबईः मुंबई के कोविड-19 केंद्रों में मरीजों के गरबा करने के दो वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखे जा रहे हैं. हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने लोगों से अपील की थी कि वे नवरात्रि के दौरान डांडिया आयोजन के बजाए रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविर लगाएं. वायरल हुए वीडियो में से एक में पीपीई किट पहने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ कोविड-19 महिला वार्ड की कई मरीज मास्क लगाकर एक फिल्मी गाने पर गरबा करते हुए नजर आ रही हैं. इस वीडियो क्लिप में कुछ महिला मरीज प्रस्तुति को देखती भी नजर आई हैं.

वहीं एक अन्य वीडियो में कुछ पुरुष मरीज नर्सिंग स्टेशन 15 में पीपीई किट पहने स्वास्थ्यकर्मियों के साथ गरबा करते हुए दिखे हैं. सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट के मुताबिक ये वीडियो गोरेगांव में बृहन्मुंबई महानगरपालिका के कोविड-19 केंद्र के हैं. इस संबंध में बीएमसी आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बताया कि गरबा प्रस्तुति वाला एक वीडियो बीएमसी के कोविड-19 केंद्र का है लेकिन केंद्र के डीन ने उन्हें बताया है कि उन्होंने इसका आयोजन नहीं किया था. चहल ने कहा कि केंद्र के डीन ने उन्हें यह भी बताया कि मरीज स्वास्थ्यकर्मियों के साथ खुद ही जश्न मना रहे थे और वे प्रसन्न एवं अच्छा महसूस कर रहे थे. उन्होंने डीन के हवाले से कहा, ऐसा करने में खुशी मिलने की वजह से केंद्र के डॉक्टरों ने उन्हें इसकी अनुमति दे दी. मुंबई, देश में कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित शहरों में से एक है और अभी तक यहां संक्रमण के करीब 2.43 लाख मामले आ चुके हैं तथा 9,700 लोगों की मौत संक्रमण की वजह से हो चुकी है. महाराष्ट्र सरकार ने पिछले महीने लोगों से अपील की थी कि वे महामारी के मद्देनजर नवरात्रि और दशहरा का उत्सव सादगी से मनाएं.

मुंबई के कारोबारी से दो करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी, मामला दर्ज

ठाणे : मुंबई के 38 वर्षीय एक कारोबारी के साथ ठाणे के दो नागरिकों ने कथित तौर पर 2.76 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार फरियादी अरविंद गिरि कपड़ों का व्यापार और पेट्रोलियम उत्पादों का थोक कारोबार करते हैं और उनके दोस्त विनोद ठाकुर ने उनसे संपर्क कर टार के कारोबार में साझेदारी करने को कहा। एक अधिकारी ने कहा कि फरियादी से समय- समय पर कर्मचारियों और टैंकरों का भुगतान कराया गया और अगस्त तक उन्होंने 2.76 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया था। उन्होंने कहा कि आरोपी ठाकुर ने कथित तौर पर गिरि से कहा था कि मामले के एक अन्य आरोपी महेंद्र पांडेय ने उसे धोखा दिया है जो उसके यहां काम करता था।

पुणे में मेफेड्रोन दवा और 20 करोड़ कैश जब्त, नाइजीरियाई नागरिक सहित तीन गिरफ्तार

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे में पिंपरी-चिंचवाड़ पुलिस ने बुधवार को एक बायोटेक कंपनी को सील कर दिया है। इस कंपनी में मेफेड्रोन दवा बनाने और बेचने का काम चल रहा था। इस मामले में पुलिस ने एक नाइजीरियाई नागरिक सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अब तक कुल 12 लोग गिरफ्तार हुए हैं। मेफेड्रोन दवा और 20 करोड़ रुपये कैश जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में सभी आरोपितों से सख्ती से पूछताछ की है। बताया जाता है कि पूछताछ के दौरान अहम खुलासा हुआ है, मगर अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस इस मामले में हर पहलू की जांच कर रही है है।

इधर, मुंबई पुलिस ने एक शख्स को 15 लाख रुपये की लूट के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस शख्स ने खुद को आइपीएस अधिकारी बताकर गुजरात के एक व्यवसायी से 15 लाख रुपये लूट लिए। मुंबई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित की पहचान एसएस शर्मा के रूप में हुई है। व्यवसायी द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, आरोपित ने उन्हें एक आइपीएस अधिकारी के रूप में अपना परिचय देते हुए, उनसे मुंबई पोर्ट से अपने आयातित कपड़े के माल को प्राप्त करने का अनुरोध किया था। शिकायतकर्ता उसके कहने पर वहां पहुंचा और आरोपित से मिला। इसके बाद आरोपित ने उसके साथ मारपीट की और कथित रूप से अपहरण कर उसे सूरत ले गया।

इसके बाद आरोपित ने व्यवसायी से महंगी स्मार्टवॉच और स्मार्टफोन के अलावा 15 लाख रुपये वसूल कर उसे छोड़ दिया। इसके बाद व्यवसायी ने मुंबई पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई और आरोपित को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3 और 25 के साथ आइपीसी की धारा 364 (ए), 342, 386, 170, 323, 504, 120 (बी) और 34 आइपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एकनाथ खडसे का भाजपा से इस्तीफा कहा-देवेंद्र फड़नवीस के कारण छोड़ी पार्टी

मुंबई : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने बुधवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने के बाद खडसे ने कहा कि उन्होंने केवल देवेंद्र फड़नवीस के कारण पार्टी छोड़ी है। खडसे ने कहा कि उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष फडणवीस ने उन आरोपों पर निशाना बनाया, जो अभी भी साबित नहीं हुए हैं। खडसे ने कहा कि मैं और मेरा परिवार चार साल से अपमानित है। मैंने 40 साल तक पार्टी के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि भाजपा को उन पर कोई संदेह नहीं था। खडसे ने कहा कि मैं सब आरोपों से मुक्त हो गया हूं। मैंने अपना निर्णय ले लिया है। ना तो राष्ट्रवादी, ना कांग्रेस और ना ही शिवसेना ने कभी मेरे इस्तीफे की मांग की थी।

खडसे ने कहा कि मैं सिर्फ देवेंद्र फडनवीस से नाराज हूं। 23 अक्टूबर को मैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो रहा हूं। देवेंद्र फडनवीस के मुख्यमंत्री बनने के मुझ पर कभी एक भी आरोप नहीं लगा था। फडनवीस ने मेरा जीवन बर्बाद करने का काम किया। उन्होंने भाजपा के महाराष्ट्र अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल को इस्तीफा भेज दिया है। खडसे का कहना है कि वह व्यक्तिगत कारणों से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। एनसीपी नेता जयंत पाटिल ने महाराष्ट्र भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के पार्टी से इस्तीफा देने की जानकारी दी और कहा था कि उन्हें एनसीपी में लेने का फैसला किया गया है। शुक्रवार को दोपहर में 2:00 बजे उन्हें औपचारिक रूप से एनसीपी में शामिल किया जाएगा।

महाराष्ट्र भाजपा के बड़े नेता एकनाथ खडसे फडणवीस सरकार में मंत्री रह चुके हैं। बीते कुछ दिनों से वे भाजपा से काफी नाराज चल रहे थे। खडसे का मानना था कि पार्टी में रहने का अब कोई औचित्य नहीं है। खड़से बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस्तीफे का एलान करेंगे। एकनाथ खडसे के भाजपा से इस्तीफा देने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का बयान आया है, जिसमें मुख्यमंत्री ने खडसे का महाविकास अघाड़ी में प्रवेश की जानकारी का स्वागत किया है। वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे के भाजपा से इस्तीफे पर जब देवेंद्र फडणवीस से मंगलवार को सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा था, 'मुझे खडसे के इस्तीफे के संबंध में औपचारिक रूप से कोई जानकारी नहीं है, जानकारी मिलने के बाद मैं जरूर बात करूंगा।' गौरतलब है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे को साल 2016 में देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। उस समय उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। पहले भी आशंका व्यक्त की जा रही था कि 22 अक्टूबर को खडसे महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसला ले सकते हैं। देवेंद्र फडणवीस से मीडिया ने जब जानना चाहा तो उन्होंने ये कहकर पल्ला झाड़ लिया, 'खडसे के पार्टी से जाने के 'मुहूर्त' के बारे में रोज बातें होती हैं और मैं इस संबंध में कुछ नहीं बोलूंगा।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में दर्दनाक हादसा:

40 फीट गहरी खाई में गिरी बस, पांच की मौत; 35 घायल

मुंबई : महाराष्ट्र में बुधवार तड़के नंदुरबार के खामचौंदर गांव के पास एक बस के 40 फीट गहरी खाई में गिरने से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और लगभग 35 लोग घायल हो गए। ये बस मलकापुर (बुलढाणा) से सूरत की ओर जा रही थी। बस में 40 से अधिक लोग सवार थे। बस विसारवाडी के पास कोदईबारी घाट पहुंचने के बाद अनियंत्रित हो गयी और 40 फीट गहरी खाई में गिर पड़ी। नंदुरबार पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित से मिली जानकारी के अनुसार

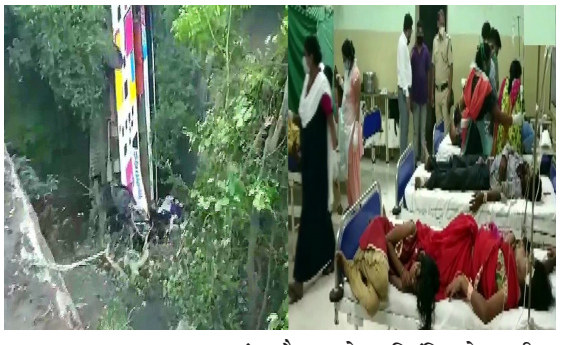

घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य अभी जारी है, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। इस मामले में अभी और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। बस के अनियंत्रित होकर सीधा नीचे गिरने के कारण बस के ड्राइवर, क्लीनर और तीन यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। मौके पर मौजूद नंदुरबार फायर विभाग और पुलिस की टीम स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को बस से निकाल अस्पताल तक पहुंचाने में सहायता कर रही है।

महाराष्ट्र के मशहूर पर्यटन स्थल महाबलेश्वर में दो साल पहले बालासाहेब सावंत कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों से भरी बस गहरी खाई में गिर पड़ी थी। ये दुर्घटना पोलादपुर स्थित अंबेनली घाट के पास हुई थी। इस दर्दनाक हादसे में 33 लोगों की मौत हो गई थी। रायगढ़ के

लापता वकील की हत्या, तीन आरोपी पुलिस हिरासत में

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे में वकील का कथित तौर पर अपहरण और हत्या का मामला सामने आया है। पुणे के पुलिस आयुक्त का कहना है कि, 19 दिन पहले 32 वर्षीय वकील उमेश चंद्रशेखर मोरे के लापता होने की एफआइआर दर्ज की गई थी। इस मामले में वकील की पत्नी ने सहकार नगर पुलिस स्टेशन में लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवायी थी। 2 अक्टूबर को सुबह उमेश की बाइक पुणे अदालत के गेट के पास खड़ी मिली थी। वकील के मोबाइल लोकेशन के आधार पर एक ट्रक ड्राइवर को हिरासत में लिया गया, लेकिन ड्राइवर ने कबूला कि उसे मोबइल ट्रक में मिला था। प्रथम दृष्टया जांच से पता चला है कि उस व्यक्ति की मौत हो चुकी है और आरोपी ने सबूत मिटाने के लिए उसके शव को भी जलाने की कोशिश की। इस मामले में हमने तीन लोगों को गिरफ्तार कर चार दिन तक पुलिस हिरासत में रखा है। मिली जानकारी के अनुसार इस वकील को अगवा कर आरोपियों ने इसकी हत्या कर दी है, वकील का शव शहर से 70 किलोमीटर दूर झाड़ियों में पड़ा मिला। सबूत मिटाने के लिए हत्या के बाद आरोपियों ने शव को भी जला दिया और उसका मोबाइल भी एक ट्रक में फेंक दिया। हालांकि वारदात के 19 दिन बाद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है अब उन्हें चार दिन तक पुलिस रिमांड पर रखा जाएगा। पुलिस के अनुसार, उमेश मोरे की हत्या गला दबाकर चलती गाड़ी में ही कर दी गई थी, हत्या के बाद में सबूत मिटाने के लिए शव को ताम्हिणी घाट के जंगल में पेट्रोल डालकर जला दिया गया था। ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि वकील की हत्या जमीन के विवाद को लेकर की गयी है। दो साल पहले इस वकील ने किसी सरकारी अफसर के खिलाफ दो करोड़ रिश्वत मांगने की शिकायत की थी जिसके बाद इस सरकारी अधिकारी को उसके पद से निलंबित कर दिया गया था लेकिन कुछ माह के बाद ही उसे बहाल कर राजस्व विभाग में नियुक्त कर दिया गया था।

चुनाव प्रचार के दौरान औरंगाबाद में तेजस्वी यादव पर फेंकी चप्पल

औरंगाबाद: राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर चुनाव प्रचार के दौरान चप्पल फेंकी गई. तेजस्वी औरंगाबाद में कुटुम्बा विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में रैली करने पहुंचे थे. राजद नेता जब मंच पर कुछ नेताओं के साथ बैठे थे तब भीड़ में से किसी ने उनके उपर चप्पल फेंकी. बता दें कि बिहार में तीन चरणों में चुनाव होने हैं.

इंडिया प्राइम • हिंदी समाचार पत्र

नवाज शरीफ के दामाद की गिरफ्तारी पर पाकिस्तान में बवाल

जानें पुलिस ने सेना के खिलाफ क्यों खोला मोर्चा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के दामाद कैप्टन मोहम्मद सफदर की गिरफ्तारी से वहां की सियासत में बवाल हो गया है। दरअसल, सोमवार को कराची में हुई एक संयुक्त रैली के बाद नवाज शरीफ के दामाद सफदर को एक होटल से गिरफ्तार कर लिया गया, मगर बाद में बेल पर रिहा भी कर दिया गया। मगर इसे लेकर पाकिस्तान में ऐसा भूचाल आया कि अब पुलिस भी इमरान सरकार और सेना के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी है। सफदर की गिरफ्तारी में पाकिस्तान में सेना के हस्तक्षेप के खिलाफ पुलिस खुलकर मैदान में है और आईजी समते ज्यादातर पुलिस वालों ने मास लीव के लिए अप्लाई किया है। हालांकि, अब मामला शांत कराने की कोशिश सेना की ओर से जारी है। नौबत यहां तक आ गई कि भारी विरोध को देखते हुए पाकिस्तानी सेना प्रमुख कमर जवाब बाजवा ने सफदर की गिरफ्तारी के मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं।

पाकिस्तानी सेना के प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने मंगलवार को करांची पुलिस के कमांडर को आदेश दिया कि मोहम्मद सफदर की गिरफ्तारी क्यों और किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जाए और जल्द से जल्द इसकी रिपोर्ट पेश की जाए। दरअसल, यह आदेश तब आया जब पीपीपी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और उन्होंने जनरल बाजवा और आईएसआई प्रमुख फैज हमीद को कैप्टन सफदर की गिरफ्तारी मामले की जांच करने

की अपील की थी।

सफदर की गिरफ्तारी के बाद से पाकिस्तान में बगावत सिंध पुलिस और सेना बीच जंग सा माहौल है। सफदर के खिलाफ पुलिस पर शिकायत दर्ज करने के लिए दबाव डाले जाने की खबरों को पर बिलावल ने कहा कि सिंध में हर पुलिस अधिकारी, एक स्टेशन हाउस ऑफिसर से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तक सभी सोच रहे थे कि रविवार रात 2 बजे आईजी सिंध मुश्ताक महर के दफ्तर को किसने घेर लिया था सिंध पुलिस का कहना है कि कैप्टन सफदर को जब गिरफ्तार किया गया, तब सिंध पुलिस के आईजी सिंध मुश्ताक महर को उनके दफ्तर में घेर लिया गया था। जिसके बाद ही कैप्टन सफदर की गिरफ्तार हुई। बताया जा रहा है कि सिंध सरकार को भी इस गिरफ्तारी की जानकारी नहीं थी।

विपक्षी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने सफदर की गिरफ्तारी को गलत बताते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी की जानकारी सिंध प्रांत की पीपीपी सरकार को भी नहीं थी। उन्होंने कहा कि सिंध पुलिस भी आश्चर्यचकित थी कि सोमवार तड़के आखिर वो कौन लोग थे, जिन्होंने सिंध पुलिस प्रमुख के घर को घेर रखा था और किसने सफदर की गिरफ्तारी का आदेश दिया।

इस घटना के बाद पुलिस में बगावत शुरू हो गई। पुलिस के अधिकारों का हनन करने का हवाला देते हुए आईजीपी मुश्ताक महर के छुट्टी पर जाने का ऐलान कर दिया। मुश्ताक महर के इस ऐलान के बाद सिंध के कई शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने छुट्टी का आवेदन दिया। उनका कहना है कि इस प्रकार की घटना सिंध प्रांत की पुलिस का मजाक उड़ाने वाली है। जिसमें उन्हें गिरफ्तारी की भनक भी नहीं लगी। बताया जा रहा है कि करीब 12 से 13 शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने लीव के लिए अप्लाई किया है। हालांकि, सिंध प्रांत के सरकार ने अधिकारियों से आवेदन वापस लेने की अपील की है।

दरअसल, पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में 11 विपक्षी दलों के महागठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट का 18 अक्टूबर को एक जलसा हुआ था। सफदर और उनकी पत्नी, पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज विपक्षी पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के इस जलसे में हिस्सा लेने के लिए शहर आए थे। उन्हें पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की मजार के प्रति असम्मान जताने के आरोप में होटल से गिरफ्तार किया गया।

जल्द मिलेगी खुशखबरी, दिसंबर में मिल सकती है मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन को मंजूरी

कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर एक अच्छी खबर है। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना इंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्टीफन बैंसेल ने कहा कि अगर नवंबर में वैक्सीन के तीसरे चरण के मानव परीक्षण का सकारात्मक परिणाम सामने आ जाता है तो अमेरिकी सरकार दिसंबर में इसके आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे सकती है। मंगलवार को बैंसेल ने एक समाचार पत्र के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर तीसरे चरण के परीक्षण का पयार्प्त अंतरिम परिणाम आने में देर होगी तो अगले साल तक वैक्सीन के आने की उम्मीद नहीं है।

मॉडर्ना ने जुलाई में 30000 वालंटियर पर तीसरे चरण का मानव परीक्षण शुरू किया था। परीक्षण के दौरान 50 फीसदी वालंटियर को वैक्सीन का डोज दिया गया और शेष वालंटियर को प्लैसेबो दिया गया। कंपनी के सीईओ का कहना है कि कोरोना वैक्सीन के प्रभाव को जांचने वाली इसकी पहली विश्लेषण रिपोर्ट नवंबर में आ सकती है लेकिन यह कब तक आयेगी यह सुनिश्चित नहीं है। दरअसल पहली अंतरिम विश्लेषण रिपोर्ट इस आधार पर तैयार होती है कि पूरे परीक्षण के दौरान 53 वालंटियर लक्षण वाले कोरोना संक्रमित हुये या नहीं।

चीन ने 8 दिन बाद किया था 5 भारतीय नागरिकों को रिहा, भारत ने उसके सिपाही को 2 दिन में ही छोड़ा

भारत ने जिस चीनी सैनिक को लद्दाख में पकड़ा था, उसे सुरक्षित लौटा दिया है। भारतीय सेना ने चीन को उसके सैनिक को लौटा दिया है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा पार कर लद्दाख आ गया था। मंगलवार रात (20 अक्टूबर) को चुशूल मोल्दो में बैठक स्थल पर पीएलए के सिपाही कॉर्पोरल वांग हां लॉन्ग को चीनी सेना को सौंप दिया। भारत ने महज दो दिन के भीतर ही चीन को उसके सैनिक को वापस कर दिया। मगर ये वही चीन है जिसने भारत के पांच नागरिकों को छोड़ने में आठ दिन का समय लगाया था।

दरअसल, पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर जारी तनातनी के बीच भारतीय सेना ने एक चीनी सैनिक को पकड़ा था। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने भी इस बात की पुष्टि की थी कि उसका एक सिपाही रविवार (18 अक्टूबर) रात को सीमा के पास से लापता हो गया। इसके बाद चीनी सेना ने भारत से अपने सैनिक को लौटाने की गुहार लगाई थी। पकड़े गए चीनी सैनिक के बारे में भारतीय सेना ने कहा था कि उसने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सैनिक को पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में सोमवार को पकड़ा है।

पश्चिमी थिएटर कमान के प्रवक्ता कर्नल झांग शुइली ने सोमवार रात को लापता पीएलए सैनिक को लेकर कहा कि हमारा एक चीनी सिपाही उस वक्त लापता हो गया, जब वह 18 अक्टूबर की रात एक चरवाहे को अपना खोए हुए याक को खोजने में मदद कर रहा था। कर्नल झांग ने कहा कि इस घटना के तुरतं बाद ही चीनी सीमा रक्षकों ने भारतीय पक्ष को घटना की सूचना दे दी थी।

हालांकि, भारत ने प्रोटोकॉल के हिसाब से जरूरी पूछताछ कर दो दिन के भीतर यानी 20 अक्टूबर की रात को चीन के सैनिक को सुरक्षित वापस लौटा दिया। लेकिन जब 4 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश के पांच नागरिक सीमा पर रास्ता भूल गए थे, तो चीनी सेना ने उन्हें पकड़ लिया था।

हिजबुल ने कश्मीर से पंजाब तक ऐसे फैलाया था ड्रग्स-टेरर का जाल

हिजबुल मुजाहिदीनसे जुड़े नार्को-टेरर केस में दस आरोपियों के खिलाफ 14000 पन्नों की चार्जशीट दायर की है, जो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पंजाब ड्रग कार्टेल और आतंकवाद से जोड़ती है. इस मॉड्यूल में पाकिस्तान से रॉक साल्ट ग्रेन्युल आयात करने की आड़ में भारत-पाकिस्तान सीमा पर अटारी के माध्यम से हेरोइन की तस्करी की जा रही थी. मॉडस ऑपरेंडी के माध्यम से अर्जित ड्रग मनी का एक हिस्सा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन को जाता था. बाकि पैसा जम्मू-कश्मीर में ड्रग कार्टेल स्थापित करने के लिए खर्च होना था. एनआईए की टीम ने पंजाब के मोहाली में स्थित विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया है. दस आरोपियों में से सात को गिरफ्तार किया गया है, दो आरोपी फरार हैं. इस चार्जशीट में हिजबुल कमांडर रियाज नाइकू का नाम भी शामिल है. नाइकू को इसी साल मई में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया था. जांच में एनआईए के साथ-साथ मनी ट्रेल का पता भी चला है. पंजाब रूट नार्को आतंक के लिए सुरक्षित माना जाता है. एनआईए के एक अधिकारी ने कहा कि इस एक मामले के माध्यम से हमने जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे अन्य मॉड्यूलों का भी पता लगाया है. इसलिए इस मामले में आगे और नतीजे सामने आएंगे. पंजाब पुलिस ने इसी साल अप्रैल में अमृतसर के पुलवामा निवासी 35 वर्षीय हिलाल अहमद शेरगोज्री की गिरफ्तारी के बाद एक मामला दर्ज किया था.

इंडिया हिंदी समाचार पत्र

बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरहीरो फिल्म में दिखेंगी कटरीना कैफ, चार देशो में की जाएगी शूटिंग

कटरीना कैफ और निर्देशक अली अब्बास जफर एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं। इस बार अली अब्बास जफर एक सुपरहीरो वाली थीम पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। कटरीना इसमें सुपरवुमन बनी नजर आएंगी। वे इस तरह की भूमिका पहली बार करती हुई दिखेंगी।

सूत्रों के मुताबिक, इस फिल्म को अली अब्बास बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वह इसे तीन से चार देशों में शूट करेंगे। इन दिनों वह दुबई में लोकेशन तलाश रहे हैं। मिड-डे को दिए इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने कहा है कि उन्होंने दुबई और अबू धाबी की कई लोकेशन फाइनल कर ली हैं। जल्द ही वह और लोकेशन तलाशने के लिए पोलैंड और जॉर्जिया जाएंगे। यह हिंदी सिनेमा की पहली फीमेल सुपरहीरो पर बनी फिल्म होगी इसलिए फिल्म कुछ इंडियन लोकेशन पर भी फिल्माई जाएगी। इंडिया में फिल्म की शूटिंग हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली में की जाएगी क्योंकि कुछ सीन्स में पहाड़ी इलाके दिखाए जाएंगे। अली ने माना कि कोविड-19 के बाद न्यू नॉर्मल में फिल्म के लिए लोकेशन तलाशना आसान नहीं है। लोकेशन फाइनल करने से पहले हर जगह कोविड टेस्ट करवाना पड़ता है तो यह पहले के मुकाबले ज्यादा समय लेता है और इससे बजट पर भी अतिरिक्त भार पड़ता है। फिल्म में कटरीना कई जबरदस्त स्टंट सीन करती दिखेंगी जिसके लिए उन्होंने ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू होगी जब तक कटरीना एक अन्य फिल्म 'फोन भूत' की शूटिंग पूरी कर लेंगी।

आयुष्मान खुराना-वाणी कपूर की अगली फिल्म का नाम 'चंडीगढ़ करे आशिकी', सामने आई तस्वीरें

आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर ने डायरेक्टर अभिषेक कपूर की अगली फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' की शूटिंग शुरू कर दी है। कुछ दिनों पहले वाणी फिल्म की तैयारी के लिए चंडीगढ़ पहुंची थीं। हाल ही में ऐक्ट्रेस ने बताया था कि फिल्म पर काम शुरू हो गया है। अब आयुष्मान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वाणी और फिल्म के डायरेक्टर के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में आयुष्मान और वाणी डायरेक्टर अभिषेक कपूर के साथ पोज देते दिख रहे हैं। दूसरी पिक्चर में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। ऐक्टर ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'अगला स्टॉप: मेरा होमटाउन चंडीगढ़ पहली बार। अभिषेक कपूर की प्रोग्रेसिव लव स्टोरी को लेकर एक्साइटेड हूं।

इस साल ऋचा चड्ढा से शादी नहीं करेंगे अली फजल

इस साल शादी के बंधन में बंधने वाले अली फजल और ऋचा चड्ढा लगातार अपनी शादी की खबरों में चुप्पी साधे हुए हैं। पहले लॉकडाउन और फिर अली फजल की मां के गुजर जाने के चलते लगातार दोनों की शादी टलती जा रही है जिसके बाद अली ने इस साल शादी करने से इनकार कर दिया है।

हाल ही में पिंकविला से बातचीत के दौरान अली ने ऋचा से शादी करने पर कहा, मैं यकीनन उस साल शादी नहीं करूंगा जिसमें दो शून्य और दो, दो हैं। हम अगले साल का इंतजार करेंगे। इस साल मेरे लिए सिर्फ मिजार्पुर 2 ही अच्छी चीज है जो लोगों को सोशल मीडिया के जहर से दूर रखेगी। ऋचा और अली अप्रैल में शादी करने वाले थे जिसके लिए दोनों ने कोर्ट मैरिज की डेट्स भी ले ली थीं हालांकि लॉकडाउन और महामारी के चलते शादी नहीं हो सकी।

हाल ही में एक्ट्रेस पायल घोष ने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप पर यौन शोषण के संगीन आरोप लगाए थे। इस मामले में पायल ने ऋचा चड्ढा का घसीटते हुए उनके लिए कापी अपमानजनक बाते भी कही थीं। इसके जवाब में ऋचा ने पायल के खिलाफ लीगल केस भी किया था। अब इस मामले में बात करते हुए अली ने कहा, 'मुझे खुशी है एक आदमी एक साथ फेमिनिस्ट और स्ट्रॉन्ग हो सकता है। हमें उन लोगों के लिए हमेशा खड़े रहना चाहिए जिनसे हम प्यार करते हैं और इस बात को निर्धारित करना चाहिए कि समाज को एक बेहतर रूप मिले। हम कोशिश करेंगे और सभी के लिए खड़े रहेंगे। ऋचा मेरे बेहद करीब है और यकीनन मैं हर बात में इसके साथ खड़ा रहूंगा'। बताते चलें कि पायल घोष ने न्यूज चैनल को दिए गए एक इंटरव्यू के दौरान अनुराग पर इल्जाम लगाते हुए कहा था कि वो उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश कर रहे थे जिसमें वो सहज नहीं थीं। इस दौरान पायल ने माही गिल, ऋचा चड्ढा और हुमा कुरैशी का नाम लेते हुए कहा था कि ये एक्ट्रेस अनुराग के साथ इस तरह के काम करने में सहज रहती हैं। ये सुनकर ऋचा ने जवाब देते हुए उनपर 1.1 करोड़ रुपए का मानहानि का केस दर्ज करवाया था।

करीना से प्रियंका तक, जब सितारों ने बीच में छोड़ा प्रोजेक्ट, मेकर्स को लगा झटका

मुथैया मुरलीधन की बायोपिक 800 को लेकर काफी बवाल देखने को मिला है. राजनीति की वजह से इस फिल्म का बनना तो दूर,इसके लीड एक्टर ने भी खुद को फिल्म से बाहर कर लिया है. फिल्म में विजय सेतुपति, मुरलीधरन का किरदार निभाने जा रहे थे. लेकिन तमिलनाडु में फिल्म को लेकर काफी बवाल हुआ, कई तरह के विवाद खड़े हुए, जिसके बाद विजय ने खुद को इस फिल्म से बाहर कर लिया. लेकिन विजय ऐसे पहले कलाकार नहीं है जिन्होंने फिल्म साइन करने के बाद खुद को उस फिल्म से बाहर कर लिया हो, कई ऐसे सितारे देखने को मिले हैं जिन्होंने या तो शूटिंग से ठीक पहले या फिर शूटिंग के दौरान ही किसी फिल्म को छोड़ दिया हो. ऐसे सितारों की वजह से कई बार मेकर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा है. एक बार उन सितारों पर नजर डालते हैं-बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन को फरहान अख्तर संग फिल्म लखनऊ सेंट्रल ऑफर हुई थी. बताया गया था कि कृति बरेली की बर्फी के बाद एक और फिल्म लखनऊ में करने के लिए एक्साइटेड थी. उन्होंने फिल्म साइन भी कर ली थी और इस बारे में मीडिया के बीच भी जानकारी दी थी. लेकिन जब लखनऊ सेंट्रल की शूटिंग में देरी हुई, कृति ने खुद को इस फिल्म से दूर कर लिया. उनके पास उस समय दूसरे प्रोजेक्ट भी पाइपालाइन थे. बाद में डायना पेंटी ने कृति वाला रोल प्ले किया था.

तोता है या खतरों का खिलाड़ी कुछ अलग है इसकी कहानी

ब्राजील के कैसकावेल शहर के चिड़ियाघर के एक तोते के साथ कुछ ऐसी घटनाएं हुईं, जिसे जानकर आपको लगेगा कि ये सब फिल्मी है। हालांकि उस तोते के साथ हुई घटनाएं वास्तविक हैं, जिसके बारे में वहां के समाचार पत्रों ने भी प्रकाशित किया है। यह घटना अप्रैल की है, लेकिन यह तोता 'खतरों के खिलाड़ी' से कम नहीं है।

चिड़ियाघर के इस तोते का नाम फ्रेडी क्रुएगर है। इस तोते को एक सांप ने काटा, उसके कुछ दिन बाद इसे अगवा कर लिया गया। इससे पहले वह पुलिस मुठभेड़ में घायल भी हो गया था। इतने खतरे झेलने के बाद भी फ्रेडी जिंदा है और चिड़ियाघर के डॉक्टरों की देखरेख में स्वास्थ्य लाभ ले रहा है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्रेडी को चिड़ियाघर से तीन हथियारबंद लुटेरों ने अगवा कर लिया था। हालांकि दो दिनों के बाद उसे चिड़ियाघर के आसपास देखा गया। उसके शरीर पर खून के कुछ निशान थे, जो उसके साथ हुई घटना को बयान कर रहे थे।

फ्रेडी को वापस चिड़ियाघर ले जाया गया। ऐतिहातन उसे दूसरे पक्षियों से अलग रखा गया है क्योंकि वह हिंसक हो सकता है। बताया जा रहा है कि अगवा किए जाने से एक सप्ताह पहले एक सांप ने उसके पंजे पर काट लिया था, जिससे घाव हो गया। गनीमत यह थी कि वह सांप जहरीला नहीं था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, लगभग चार साल पहले फ्रेडी को चिड़ियाघर लाया गया था। पुलिस से मुठभेड़ के दौरान ड्रग तस्कर फ्रेडी को घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग गए थे। मुठभेड़ के दौरान उसके ऊपरी चोंच में चोट लग गई थी। उस दौरान उसने अपनी एक आंख भी गंवा दी थी।

फिलहाल वह ठीक है, लेकिन उसकी चोंच का कुछ हिस्सा टूटा हुआ है, जिसकी वजह से वह किसी बीज को छीलकर खा नहीं पा रहा है। फल और अन्य खाद्य पदार्थ वह सामान्य तौर पर खा लेता है। चिड़ियाघर के डॉक्टरों का कहना है कि इन घटनाओं के बाद से वह थोड़ा सा उग्र हो गया है। दुखद बात यह है कि फ्रेडी अभी मिला नहीं था, उस बीच चिड़ियाघर से एक और तोता चोरी हो गया।

हैरतअंगेज! सांप ने बुजुर्ग को काटा, तो उसने भी सांप को दांतों से चबाया

गुजरात के महीसागर जिले में चौंका देने वाली एक घटना सामने आई है, जिस पर एक बार विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन घटना वास्तविक है। एक सांप ने बुजुर्ग को काट लिया, जिस पर उस बुजुर्ग ने भी उस सांप को अपने दांतों से काट लिया। इस घटना में सांप और उस बुजुर्ग दोनों की ही मौत हो गई।

यह घटना पिछले शनिवार दोपहर की है। जानकारी के अनुसार, अजनवा गांव के एक खेत में ट्रक पर बाजरा लादा जा रहा था। उस दौरान गांव के ६० वर्षीय पर्वत गाला बरिया वहां एक जगह खड़े थे। तभी सांप निकला, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग भागने लगे। लेकिन पर्वत गाला बरिया वहीं डटे रहे, वे बोले रहे थे कि उन्होंने पहले भी ऐसे कई सांप पकड़े हैं।

गांव के प्रधान ने बताया कि पर्वत ने उस सांप को अपने हाथों से पकड़ लिया। सांप ने खुद को छुड़ाने के लिए पर्वत के हाथ और चेहरे पर डस लिया। गुस्से में पर्वत ने भी पलटकर सांप को अपने दांतों से काट लिया, जिससे सांप की भी मौत हो गई।

ग्राम प्रधान ने बताया कि घटना के तत्काल बाद पर्वत को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां से उसे गोधरा के एक बड़े अस्पताल में शिफ्ट किया गया। हालांकि सांप का जहर उसके शरीर में फैल गया था, जिसके कारण उसे बचाया नहीं जा सका। एक अधिकारी ने बताया कि थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

यह है दुनिया का सबसे महंगा घोड़ा, कीमत आपकी उम्मीद से भी ज्यादा!

आपने एक से बढ़कर एक कीमती पालतू जानवरों के बारे में पढ़ा और सुना होगा। उनकी कुछ खासियतें ही उनको कीमती बना देती हैं। आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे जानवर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी कीमत का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। इस घोड़े की कीमत में आप एक आलीशान बंगला, कार और बहुत कुछ खरीद सकते हैं।

इस घोड़े का नाम ग्रीनमंकी है, जो अमेरिकी रेस हॉर्स है। दौड़ने की क्षमता और सुंदरता ही इसे खास बना देती है। इसके कारण ही इसके नाम अब तक दुनिया का सबसे महंगा जानवर होने का रिकॉर्ड है।

बताया जाता है कि जब यह पहली बार रेस में दौड़ा था, तो उसने एक मील का आठवां हिस्सा ९.८ सेकेंड में ही पूरा कर लिया था। हालांकि एक बार गंभीर रूप से चोटिल होने के बाद वह दोबारा कभी इतनी रफ्तार से नहीं दौड़ पाया।

ग्रीनमंकी की कीमत १ करोड़ ६० लाख अमेरिकी डॉलर है, जो भारतीय मुद्रा में ११ करोड़ रुपये से अधिक है। अब तक इससे अधिक कीमत किसी भी दूसरे जानवर की नहीं लगी है। हालांकि जुलाई २०१८ में ग्रीन मंकी की मौत हो गई।

राशिफल

मेष राशि : दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

वृष राशि : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन राशि : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी, लेकिन गलत निर्णय के कारण हानी उठानी पड़ सकती है।

कर्क राशि : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

सिंह राशि : किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या राशि : रिश्तों में मधुरता आएगी। पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। रिश्तों में मधुरता आएगी।

वृश्चिक राशि : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी।

धनु राशि : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। भागदौड़ रहेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। व्यावसायिक भागदौड़ रहेगी।

मकर राशि : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व उत्साहवर्धक होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य मिलेगा।

कुंभ राशि : रिश्तों में मधुरता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

मीन राशि : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व उत्साहवर्धक होगी। मांगलिक या धार्मिक कार्य में रुचि लेंगे। उच्च अधिकारी का सहयोग रहेगा।व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

इंडिया प्रिंट • हिंदी समाचार पत्र

सेक्स रैकेट चलाने वाले गैंग का पदार्फाश

ग्राहक बने इस पुलिसकर्मी ने किसी तरह से इशारा करके पुलिस वालों को बुला लिया।

जब पुलिस अंदर पहुंची तो पुलिस ने इन चारों लड़कियों को हिरासत में ले लिया।

पूछताछ में इन्होने पुलिस को बताया कि इनसे देह व्यापार कराया जाता था।

इसके बाद पुलिस ने नेहा और मोहम्मद दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई : पुलिस ने यहां से चार लड़कियों को रेस्क्यू किया है साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि अभी दिल्ली में भी पुलिस ने कई स्थानों पर छापा मारा है जहां से स्पा और मसाज पार्लर के नाम पर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था।

क्या है मामला ?

पुलिस के अनुसार अंधेरी के वसोर्वा में 'REFRESH WELLNESS' नामसे मसाज पार्लर चलाया जा रहा था। लेकिन इस पार्लर में मसाज की आड़ में सेक्स रैकेट का धंदा किया जाता था। जब पुलिस को इस बारे में सूचना मिली तो उन्होंने एक पुलिसकर्मी को नकली ग्राहक बना कर इस पार्लर में भेजा। पुलिस के मुताबिक जब उनका जवान ग्राहक बन कर पार्लर के अंदर गया तो अंदर नेहा सईद और मोहम्मद रफीक नामके दो लोग मिले। ग्राहक बने पुलिस ने जब उनसे लड़कियों के मांग की तो इन दोनों ने चार लड़कियों को बुलाया और इसके बदले चार हजार रुपये की मांग की।

पुलिस ने इन दोनों पर 'पीटा' के तहत मामला दर्ज कर लिया साथ ही हिरासत में ली गयीं चारों लड़कियों को महिला सुधार गृह भेज दिया गया। यही नहीं पुलिस को इस बात की भी खबर लगी कि अंबोली पुलिस नेहा को पहले भी देह व्यापार कराये जाने के आरोप में 'पीटा' के तहत गिरफ्तार कर चुकी है, इसके बाद यह जमानत पर बहार आ गयी। अब पुलिस इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है।

मुस्लिम सेवा संघ के वार्ड क्र. १३८ मानखुर्द शिवाजी नगर सचिव पद पर नियुक्ति के दौरान मुस्लिम सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज मसुलदार, कार्याध्यक्ष ए. अहमद शेख, महाराष्ट्र अध्यक्ष फिरोज सौदागर, मानखुर्द शिवाजी नगर तालुका अध्यक्ष नदीम कुरैशी व अन्य ।

क्राइम ब्रांच की यूनिट-8 ने ऑनलाइन सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया, तीन गिरफ्तार

मुंबई : क्राइम ब्रांच की यूनिट-8 ने ऑनलाइन सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सीनियर इंस्पेक्टर अजय जोशी की टीम ने इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पहले क्राइम ब्रांच टीम ने कांदिवली पश्चिम में एक होटल के बाहर ट्रैप लगाया और वहां दलाल को पकड़ा। उससे पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने दहिसर में एक घर में छापा मारा और वहां से तीन महिलाओं को रेसक्यू कराया। यहां भी कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए।

जांच में यह बात सामने आई कि आरोपियों ने यूपी और पश्चिम बंगाल से कई लड़कियों को मुंबई में नौकरी दिलवाने के बहाने बुलवाया और फिर उन्हें देह व्यापार में धकेल दिया।

रिजवान खान

(कार्यकारी संपादक-एआईबी न्यूज)

राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी में एकनाथ खडसे की नियुक्ति पर उन्हें गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए भाई सलिम ९०.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रफीक एम. शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस ३-४ अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-६३ से मुद्रित कराकर रूम नं. २६, कामा रोड, रोशन नगर, गांव देवी डोंगरी, अंधेरी (प.), मुंबई-५८ से प्रकाशित किया। मो. : ९८३३७७९९२०

समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा। Email : aib7861@gmail.com / allindiabrigade@gmail.com **संपादक : रफीक एम. शेख सह संपादक : अहमद शेख (मो.७७१५९४९०३२)**